ESTIMATES COMMITTEE
TWENTY-NINTH REPORT

SHRI SATYENDRA NARAYAN SINHA (Aurangabad): I beg to present the Twenty-ninth Report of the Estimates Committee on the Ministry of External Affairs—working of Indian Diplomatic Missions Abroad.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS
TWENTY-FORTH REPORT

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): I beg to present the Twenty-fourth Report (Hindi and English versions) of the Committee on Public Undertakings (1978-79) on "Expenditure on Hiring of Storage Space by Public Undertakings" and Minutes of the sitting of the Committee relating thereto.

12.23 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) PROTECTION TO BUDDHIST BHIKSHUS AND THEIR RELIGIOUS CENTRES

श्री आर० एल० कुरील (मोहनलाल गंज): अध्यक्ष महोदय, आज सरकार की ओर से जहां हिन्दू तीर्थ स्थानों अथवा मंदिरों के ऊपर कई सरकारी विभागों से पानी की तरह धन व्यय कर के उनके जीर्णोद्धार अथवा पर्यटन केन्द्र बनाने की सुविधायें प्रदान की जा रही हैं वहीं दूसरी ओर बौद्धों के अन्तर्राष्ट्रीय तीर्थों एवं मंदिरों को नष्ट होने से बचाने में भी असमर्थता एवं उपेक्षा बरती जा रही है। इतना ही नहीं, इस सम्बन्ध में यह भी कहा जा सकता है कि कहीं कहीं तो सरकार बौद्ध तीर्थ एवं मंदिरों को हिन्दू धर्मावलम्बियो के द्वारा हथियाने के प्रयास को भी प्रोत्साहन दे रही है जो सीधे-सीधे बौद्ध-जनों की धर्म भावनाओं को अघात पहुंचाने की कार्यवाही ही कही जा सकती है।

अध्यक्ष महोदय, निकट के स्थानीय स्कूल के प्रधान व प्रबन्धकों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध केन्द्र श्रीवस्ती के "जेतवन हाई स्कूल" को हड़पने के लिए इस के प्रबन्धक भिक्षुगण एवं समिति के सदस्यों का जबरदस्ती हस्ताक्षर कराया गया, विहार में छात्रों को घुसा कर भिक्षुओं का सामान हटाया गया और . . .

MR. SPEAKER: Mr. Kurral you give on statement and read here another statement. . . . (*Interruptions*) Now you are reading, but earlier you were reading some other statement. You should read out only the statement that you have given me.

श्री आर० एल० कुरील : भिक्षुओं को पिटवाया गया तथा जान से मार देने की धमकी दी गई। श्रीवस्ती के भिक्षुगणों को यह भी संदेह हो रहा है कि बौद्ध धर्मशालायें और मंदिरों तथा विहारों को भी ये लोग जबरदस्ती हड़प सकते हैं तथा भिक्षुओं एवं निवासियों को जान से मार सकते हैं।

सरकार बौध भिक्षुओं की सुरक्षा और उन के धार्मिक स्थलों जैसे बौद्ध धर्मशालाओं, मंदिरो और विहारों आदि की सुरक्षा हेतु क्या कोई कदम उठा रही है ? यदि नही तो क्यों ?

यदि हां, तो अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध केन्द्र श्रीवस्ती के "जेतवन हाई स्कूल" को हड़पने की घटना कैसे हुई ?

क्या सरकार श्रीवस्ती के "जेतवन हाई स्कूल" के निकट के स्कूल के प्रधान व प्रबन्धको के विरुद्ध कोई कार्यवाही करेगी जिन्होने जबरदस्ती हस्ताक्षर कर कर इसे हड़पने का षड्यंत्र रचा ? यदि नही, तो क्यों ?

(ii) REPORTED ATROCITIES BY POLICE ON ADIVASIS IN BIHAR

श्री विनायक प्रसाद यादव (सहरसा): अध्यक्ष महोदय, मैं इन्डियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली, शनिवार मार्च 24, 1979 एवं अन्य राष्ट्रीय अखबारों में छपे

"POLICE TERROR IN BIHAR ADIVASI VILLARGE"

की ओर गृह विभाग का ध्यान दिलाते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि बिहार राज्य के सन्थाल परगना के पथरगुटा ब्लॉक के लगभग 15 हजार आदिवासी पुलिस गोली काण्ड एवं अन्य आतंकों से गांव छोड़ कर भाग गये हैं।

अध्यक्ष महोदय, यह अत्यन्त गम्भीर और नाजुक मामला है। इसलिये आपकी आज्ञा से मैं इन्डियन एक्सप्रेस का कुछ अंश पढ़ कर सुनाता हूं:—

"The tribal leader and president of the Adivasi Mukti Morcha, Mr. Shuvbu Soren, alleged here to-day that truckloads of Central Reserve